DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM & MARKING SCHEME

Certificate Course

(Six Month)

छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य

SESSION : 2023-24

ESTD: 1958

GOVT. V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE, DURG, 491001 (C.G.)

(Former Name – Govt. Arts & Science College, Durg)

NAAC Accredited Grade A+, College with CPE - Phase III (UGC), STAR COLLEGE (DBT)

Phone : 0788-2212030

Website - www.govtsciencecollegedurg.ac.in, Email – autonomousdurg2013@gmail.com

सत्र 2023–2024
प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम
छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य रूप (लोक नाट्य)
पाठ्यक्रम कोड – SCH1- 101

पूर्णांक :– 100

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को –

1. लोक साहित्य की सैद्धांतिक जानकारी प्राप्त करना ।
2. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य एवं संस्कृति के अंतर्संबंध को समझना।
3. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य की परंपरा एवं विरासत से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1: लोक साहित्य : अवधारणा, अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्त्व, लोकवार्ता और लोक संस्कृति, लोक संस्कृति और साहित्य ।

इकाई 2: हिंदी के आरंभिक साहित्य में लोक तत्व, वर्तमान अभिजात साहित्य और लोक साहित्य का अंतर्सम्बन्ध ।

इकाई 3: छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य : छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य की परंपरा ।

इकाई 4: छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य के विविध रुप : लोकगीत, लोक नाट्य, लोक गाथा, लोक नृत्य, लोक संगीत और लोक सुभाषित ।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम –

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी –

1. लोक साहित्य की सैद्धांतिक जानकारी प्राप्त करेंगे ।
2. लोक साहित्य के महत्तव को समझ सकेंगे ।
3 छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति तथा लोक साहित्य की परंपरा एवं विरासत को सहेजने के प्रति जागरुक होंगे।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. लघूत्तरीय प्रश्न	–	5 X 2 = 10 अंक
प्रश्न 2. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	1 X 15 = 15 अंक
प्रश्न 3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	1 X 15 = 15 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	1 X 15 = 15 अंक
प्रश्न 5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	1 X 15 = 15 अंक

30 अंकों का आंतरिक मूल्यांकन होगा जिसके अंतर्गत सत्रीय कार्य होगा।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य का अध्ययन – डॉ. दयाशंकर शुक्ल, वैभव प्रकाशन, रायपुर
2. छत्तीसगढ़ी लोक– जीवन और साहित्य का अध्ययन – डॉ. शंकुतला वर्मा, रचना प्रकाशन, इलाहाबाद
3. छत्तीसगढ़ी गीत – जमुनाप्रसाद कसार, श्री प्रकाशन, दुर्ग
4. छत्तीसगढ़ी भाषा एवं लोक साहित्य – डॉ. बिहारी लाल साहू,वैभव प्रकाशन, रायपुर
5. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्यः नाचा – महावीर अग्रवाल, श्री प्रकाशन, दुर्ग
6. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य और रंगकर्म – डॉ. उषा बैरागकर आठले श्री प्रकाशन, दुर्ग

- हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :—

विभागाध्यक्ष :— डॉ. अभिनेष सुराना	<u>विभागीय सदस्य</u>
विषय विशेषज्ञ :— डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक	डॉ. बलजीत कौर
विषय विशेषज्ञ :— डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य	डॉ. जयप्रकाश साव
विषय विशेषज्ञ :— डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक	श्रीमती अन्नपूर्णा महतो
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :— डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास	डॉ. कृष्णा चटर्जी
अन्य विभाग के प्राध्यापक :— श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	छात्रप्रतिनिधि — श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र

सत्र 2023–2024

प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्र : द्वितीय

छत्तीसगढ़ी लोक–साहित्य–रुप (लोक नाट्य) भाग – 02

पाठ्यक्रम कोड– SCHI-102

पाठ्यक्रम की अवधि (तीन माह)

पूर्णांक :– 100

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :–

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को –

1. लोक नाट्य परंपरा तथा उसके महत्त्व को समझना ।
2. छत्तीसगढ़ी "नाचा" के संबंध में जानकारी होगी ।
3. लोक गाथा पंडवानी तथा रहस की जानकारी तथा उसके महत्त्व को समझ सकेंगे ।

पाठ्यक्रम विवरण :–

इकाई 1	लोक–नाट्य का सामान्य अध्ययन ।
इकाई 2	नाचा ।
इकाई 3	पंडवानी ।
इकाई 4	रहस।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :–

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी को

1. लोक–नाट्य परंपरा तथा उसके विविध रुपों से परिचित होंगे ।
2. छत्तीसगढ़ी लोक नाट्य नाचा से परिचित होंगे।
3. लोक गाथा पर आधारित पंडवानी तथा रहस से परिचित होंगे।

अंक विभाजन :–

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. लघूत्तरीय प्रश्न	–	5 X 2 = 10 अंक
प्रश्न 2. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	1 X 15 = 15 अंक
प्रश्न 3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	1 X 15 = 15 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	1 X 15 = 15 अंक
प्रश्न 5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	1 X 15 = 15 अंक

30 अंकों का आंतरिक मूल्यांकन होगा जिसके अंतर्गत सत्रीय कार्य होगा।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. रंग परम्परा – नेमीचन्द्र जैन वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्यः नाचा – महावीर अग्रवाल, श्री प्रकाशन, दुर्ग
3. महाभारत की वाचिक परम्परा का लोक स्वरूप – पंडवानी – चौमासा
4. रहस – छत्तीसगढ़ का पारम्परिक लोकनाट्य – निरजन महावर प्रकाशन, दुर्ग
5. लोक साहित्य समग्र – राम नारायण उपाध्याय, हिन्दी प्रचारक पब्लिकेशन, वारानसी
6. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य और रंगकर्म – डॉ. उषा बैरागकर आठले श्री प्रकाशन, दुर्ग

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक	**डॉ. बलजीत कौर**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य	**डॉ. जयप्रकाश साव**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक	**श्रीमती अन्नपूर्णा महतो**
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास	**डॉ. कृष्णा चटर्जी**
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	**छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र**

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM & MARKING SCHEME

Certificate Course

व्यावहारिक हिन्दी

SESSION : 2023-24

ESTD: 1958

GOVT. V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE, DURG, 491001 (C.G.)

(Former Name – Govt. Arts & Science College, Durg)

NAAC Accredited Grade A+, College with CPE - Phase III (UGC), STAR COLLEGE (DBT)

Phone : 0788-2212030

Website - www.govtsciencecollegedurg.ac.in, Email – autonomousdurg2013@gmail.com

2023-24

हिंदी विभाग प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

(वैल्यू एडेड पाठ्यक्रम)

व्यावहारिक हिंदी

(प्रोग्राम कोड : CCH)

पूर्णांक : 50

पाठ्यक्रम की शिक्षण अवधि : 30 घण्टे

परीक्षा समयावधि : 3.00 घण्टे

पाठ्यक्रम की आवश्यकता –

साहित्य और ज्ञान–विज्ञान की भाषा होने के साथ–साथ हिंदी रोजमर्रा के कार्य–व्यवहार की भी भाषा है। निजी एवं सार्वजनिक कामकाज में उसका प्रयोग उत्तरोत्तर बढ़ रहा है। पिछले तीन–चार दशकों के दौरान सामाजिक अनुप्रयोग की भाषा के रूप में उसका स्वरूप लगभग निश्चित और स्थिर हो गया है।

इसका व्यावहारिक ज्ञान विद्यार्थियों को प्रदान करने के उद्देश्य से व्यावहारिक हिंदी का यह पाठ्यक्रम स्तावित है। इस पाठ्यक्रम में 02 प्रश्नपत्र होगे और शिक्षण अवधि 30 घंटे की होगी। पाठ्यक्रम तीन माह में पूर्ण होगा। इसे पूर्ण करने तथा परीक्षा में उत्तीर्ण होने के उपरांत विदयार्थी को प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।

परीक्षा का आयोजन

प्रत्येक सत्र में एक बार अर्थात ट्राइमेस्टर अंत में परीक्षा होगी। पूरे वर्ष में दो बैच के विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का अध्ययन कर सकेंगे। पाठ्यक्रम के लिये पंजीयन जुलाई तथा जनवरी में किया जायेगा। जान तत्काल बाद शिक्षण कार्य प्रारंभ होगा।

पाठ्यक्रम (प्रोग्राम) का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है. विद्यार्थियों को –

1. हिंदी भाषा में कार्यालयीन कामकाज की पद्धति और प्रक्रिया से अवगत कराना।।
2. हिंदी में कंप्यूटिंग का कामकाजी जान प्रदान करना।
3. अनुवाद की पद्धति और प्रविधि से अवगत कराना।
4. जनसंचार माध्यमों की भाषा के रूप में हिंदी के अनुप्रयोग का सामान्य ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम विवरण –

इकाई 1

कार्यालयीन भाषा (पत्राचार : प्रारूपण, कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, परिपत्र, अधिसूचना, अनुस्मारक, पृष्ठांकन)

इकाई–2

टिप्पण प्रक्रिया एवं स्वरूप, व्यवहारिक अनुप्रयोग, संक्षेपण प्रक्रिया एवं स्वरूप, कार्यालयीन अनुपयोग।

इकाई–3

पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूप, प्रक्रिया एवं महत्व।

इकाई 4

अनुवाद का स्वरूप, प्रक्रिया प्रविधि एवं महत्व। कार्यालयीन हिंदी और अनुवाद।

इकाई–5: हिंदी कम्प्यूटिंग का सामान्य परिचय,

पाठ्यक्रम का अधिगम परिणाम:

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थियों को

1. राजभाषा के रूप में हिंदी की संवैधानिक स्थिति और उसके कार्यात्मक पक्ष की सम्यक जानकारी प्राप्त होगी।
2. हिंदी में कार्यालयीन कामकाज की पध्दति और प्रक्रिया का समुचित जान होगा।
3. हिंदी में पत्राचार और टिप्पण के व्यावहारिक पक्ष की जानकारी प्राप्त होगी।
4. बैंकिंग, कार्यालयीन, दूरसंचार, व्यवसाय और कानून की शब्दावली का ज्ञान होगा।
5. कार्यालयीन कामकाज में अनुवाद के प्रयोग का सामान्य ज्ञान हो सकेगा।

प्रश्नपत्र की पद्धति –

प्रश्नपत्र में कुल 10 प्रश्न पूछे जाएंगे। इनमें से पाँच प्रश्नों को हल करना होगा। प्रत्येक प्रश्न में 10 अंक होंगे।

संदर्भ पुस्तकें –

1. कार्यालयीन हिंदी की प्रकृति : चन्द्रपाल शर्मा
2. सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग : गोपीनाथ श्रीवास्तव
3. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना : वासुदेव नंदन प्रसाद
4. प्रयोजनमूलक हिंदी : विनोद गोदरे
5. प्रयोजनमूलक हिंदी : माधव सोनटक्के
6. प्रयोजनमूलक हिंदी : संजीव जैन